के. पी. ट्रेनिंग कालेज, प्रयागराज

इलाहाबाद विश्वविद्यालय का संघटक महाविद्यालय

बी. एड. पाठ्यक्रम

वेबसाइट : www.kptc.ac.in

ईमेल : kptcallahabad1951@gmail.com

दूरभाष : 0532-2400250

महाविद्यालयः एक नज़र में

के पी. ट्रेनिंग कालेज 1951 में स्थापित एक प्रशिक्षण संस्था है जिसका प्रबन्ध 1951 में कायस्थ पाठशाला न्यास, जो कि एशिया का सबसे बड़ा शैक्षिक न्यास है, के द्वारा किया जाता है 1998 तक यह महाविद्यालय एल. टी. (लाइसेन्स ऑफ टीचिंग) का प्रशिक्षण दिया करता था। सन 1999 में यह महाविद्यालय इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के संघटक महाविद्यालय होने का गौरव प्राप्त कर बी. एड. का प्रशिक्षण प्रदान करने के दायित्व को अद्यतन निभा रहा है। वर्ष 2005 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय दर्जा प्राप्त होने के साथ महाविद्यालय को भी इलाहाबाद केन्द्रिय विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय होने गौरव प्राप्त हुआ। वर्तमान में यह महाविद्यालय में बी.एड. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों को प्रायोगिक तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्रदान करने का दायित्व बखूबी निभा रहा है।

वर्ष 2015 से एन.सी.टी.ई./ यू.जी.सी. द्वारा इस बी. एड. प्रशिक्षण की अवधि दो वर्ष की करके सेमेस्टर प्रणाली लागू की गई तथा महाविद्यालय को 50 छात्रों की एक यूनिट प्रदान की गई । सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार ओबीसी आरक्षण कोटा को दृष्टिगत रखते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय को इन 50 छात्रों पर कुल 62 छात्रों के प्रवेश को आदेशित किया गया है। इस महाविद्यालय में प्रशिक्षण हेतु उन्ही छात्रों को चयनित किया जाता है जो इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बी. एड. परीक्षा को उत्तीर्ण कर लेते थे।

विज़न (दृष्टि)

के. पी.ट्रेनिंग कालेज अपने प्रशिक्षणार्थियों में नैतिक मूल्यों के साथ-साथ निपुणता, आत्मविश्वास तथा प्रभावशाली अध्यापक के गुणों को हस्तान्तरित करने का आकांक्षी है।

मिशन (लक्ष्य)

महाविद्यालय का लक्ष्य छात्र केन्द्रित उपागम के माध्यम से स्वस्थ शिक्षण कला तथा तकनीकी सहजता से पूर्ण अध्यापक तैयार करना तथा सूचना तकनीकी में प्रशिक्षण प्रदान करना

सुविधाएं

महाविद्यालय छात्रों के स्व अध्ययन हेतु उच्चस्तरीय पुस्तकें, जर्नल्स, सन्दर्भ ग्रन्थ, पत्र-पत्रिकाओं आदि से सुसज्जित पुस्तकालय की सुविधा भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त वांछित अध्ययन सामग्री को प्राप्त करने के लिए फोटोस्टेट की सुविधा, वाई-फाई की सुविधा, आई. सी.टी. तथा कम्प्यूटर के प्रयोग की सुविधा, जेनरेटर की सुविधा, नियमानुसार कुछ छात्रवृत्तियाँ जैसे निर्धन छात्रवृत्ति, दशमोत्तर छात्रवृत्ति, अरुणा हजेला मेमोरियल छात्रवृत्ति आदि की सहज सुविधाएं प्रत्येक छात्र को प्रदत्त है। महाविद्यालय स्वच्छ पेय जल तथा कैन्टीन की सुविधा भी छात्रों को प्रदान करता है। महाविद्यालय की छात्र कल्याण समिति समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन करती है। इस आयोजन के साथ महाविद्यालय विभिन्न प्रकार के प्रकोष्ठ यथा महिला प्रकोष्ठ, सेवा योजन प्रकोष्ठ, कैरियर तथा परामर्श प्रकोष्ठ आदि के माध्यम से छात्रों के कल्याण की दिशा में अग्रसर है। महाविद्यालय परिसर में उत्तम अनुशासन की व्यवस्था कायम रखने के लिये अनुशासनाधिकारी मंडल अत्यन्त सक्रिय है।

छात्र परिषद

छात्राध्यापकों की योग्यता एवं क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए प्राध्यापकों द्वारा प्रतिवर्ष छात्र परिषद के अन्तर्गत निम्नलिखित पदों के लिए प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाता

1. सीनियर प्रीफेक्ट	छात्राध्यापक अथवा छात्राध्यापिका	- तृतीय सेमेस्टर
2. सोशल सेकेट्री	छात्राध्यापक वर्ग / छात्राध्यापिका वर्ग	- प्रथम सेमेस्टर
3. सोशल सेकेट्ररी	छात्राध्यापक वर्ग / छात्राध्यापिका वर्ग	- तृतीय सेमेस्टर
4. क्लास रिप्रेज़ेन्टेटिव	छात्राध्यापक वर्ग / छात्राध्यापिका वर्ग	- प्रथम सेमेस्टर
5. क्लास रिप्रेज़ेन्टेटिव	छात्राध्यापक वर्ग / छात्राध्यापिका वर्ग	- तृतीय सेमेस्टर
6. जेण्डर चैम्पियन	छात्राध्यापक वर्ग / छात्राध्यापिका वर्ग	- तृतीय सेमेस्टर
7. स्पोर्टस कैप्टन	छात्राध्यापक अथवा छात्राध्यापिका	- तृतीय सेमेस्टर

महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में चल वैजयन्ती तथा स्वर्ण पदक दिए जाने का प्रावधान

क्रम संख्या	इवेन्ट्स	चल वैजयन्ती	व्यक्तिगत पदक
1.	ऐस्थर सिंह मेमोरियल वाद-विवाद प्रतियोगिता	सर्वोत्तम वक्ता तथा विजेता	स्वर्ण
		उपविजेता	रजत
		सान्त्वना पुरूस्कार के रूप में कप	
2.	ऐंस्थर सिंह मेमोरियल काव्यपाठ प्रतियोगिता	विजेता	स्वर्ण
		उपविजेता	रजत
		सान्त्वना पुरूस्कार रूप में कप	
3.	खेलकूद प्रतियोगिता का एकल विजेता (छात्राध्यापिका वर्ग से)		स्वर्ण
4.	खेलकूद प्रतियोगिता का एकल विजेता (छात्राध्यापिका वर्ग से)		स्वर्ण
5.	बी. एड़. परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता (छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका)		स्वर्ण

6.	बी.एड. परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता छात्राध्यापिका		श्रीमती अरुणा हजेला[1] मेमोरियल गोल्ड मैडल
7.	मेधावी छात्राध्यापिका को छात्रवृत्ति		नकद धनराशि के रूप में*
8.	बी.एड. परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्तकर्ता छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका		रजत
9.	बी.एड. परीक्षा में तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका		कांस्य

* महाविद्यालय की पुरा छात्रा स्व. अरुणा हजेला की स्मृति में उनके पति श्री शैलेन्द्र हजेला द्वारा के.पी. ट्रस्ट को दिये गये 7,00,000 की धनराशि से प्राप्त ब्याज से बी.एड. मुख्य परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राध्यापिकाओं को 'श्रीमती अरुणा हजेला मेमोरियल गोल्ड मैडल' तथा शेष धनराशि मेधावी छात्राध्यापिका को छात्रवृत्ति के रूप में देय होगा।

बी. एड. पाठ्यक्रम

सी. बी. सी. एस. नियमानुसार 2019 से लागू

इलाहाबाद विश्वविद्यालय का बी. एड. कार्यक्रम दो वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसे कार्यक्रम में प्रवेश की तिथि से अधिकतम तीन वर्ष में पूर्ण किया जा सकता है। बी.एड. कार्यक्रम 80 क्रेडिट का है जिसे 20 क्रेडिट से युक्त चार सेमेस्टर में विभाजित किया गया हैः

प्रथम सेमेस्टर

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम संकेत	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट (आंकलन)	अंक
1.	टी. ई. 601	शिक्षा का दर्शनशास्त्र तथा समाजशास्त्र	4	100
2.	टी. ई. 602	अधिगमकर्ता का विकास	4	100
3.	टी. ई. 603	विद्यालयी पाठ्यचर्या का विकास	4	100
4.	टी. ई. 604	शिक्षण के सिद्धान्त तथा विधियाँ	4	100
5.	टी. ई. 631	व्यक्तित्व विकास तथा योग	4	100

द्वितीय सेमेस्टर

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम संकेत	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट (आंकलन 2+2	अंक 50+50
1.	टी.ई. 651-661 (वैकल्पिक)	विषय ज्ञान। अभ्यर्थी द्वारा चयनित माध्यमिक स्तर के किन्ही दो शिक्षण विषयः- (टी.ई. 651) अंग्रेजी (टी.ई.652) हिन्दी (टी.ई.653)संस्कृत (टी.ई.654) गणित (टी.ई. 655)भौतिक विज्ञान (टी.ई.656) जीव विज्ञान (टी.ई.657)इतिहास (टी.ई. 658)भूगोल (टी.ई. 659) अर्थशास्त्र (टी.ई.660) नागरिक शास्त्र (टी.ई. 661) वाणिज्य		
2.	टी.ई.- 662-672 (वैकल्पिक) टी.ई.-662	शिक्षण कला अभ्यर्थी द्वारा चयनित माध्यमिक स्तर के उपरोक्त दोनो विषयों की शिक्षण कला अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य की शिक्षण	4+4	100 + 100

		कला		
	टी .ई. 663	हिन्दी भाषा एवं साहित्य की साहित्य की शिक्षण कला		
	टी.ई. 664	संस्कृत भाषा एवं साहित्य की शिक्षण कला		
	टी.ई. 665	गणित की शिक्षण कला		
	टी.ई.666	भौतिक विज्ञान की शिक्षण कला		
	टी.ई. 667	जीव विज्ञान की शिक्षण कला		
	टी.ई. 668	इतिहास की शिक्षण कला		
	टी.ई.669	भूगोल की शिक्षण कला		
	टी.ई. 670	अर्थशास्त्र की शिक्षण कला		
	टी. ई. 671	राजनीति विज्ञान की शिक्षण कला		
	टी.ई. 672	वाणिज्य की शिक्षण कला		

तृतीय सेमेस्टर

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम संकेत	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट आंकलन	अंक
1.	टीई 605	अधिगम का आंकलन	4	100
2.	टीई 606	शैक्षिक तकनीकी एवं आई. सी. टी.	4	100
3.	टीई 634	स्कूल इन्टर्नशिप ।। विषय 1 (20 पाठ योजना + 1 प्रायोगिक शिक्षण पाठ योजना)	4	100

4.	टीई 635	स्कूल इन्टर्नशिप- ।।विषय।। (20 पाठ योजना + 1 प्रायोगिक शिक्षण पाठ योजना)	4	100
5.	टीई 636	स्कूल इन्टर्नशिप-।। (सामुदायिक कार्य)	4	100

चतुर्थ सेमेस्टर

क्र. संख्या	पाठ्यक्रम संकेत	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट आंकलन	अंक
1.	टी.ई. 607	अधिगम का मनोविज्ञान	4	100
2.	टी.ई. 608	सम-सामयिक भारतीय समाज में शिक्षा	4	100
3.	टी.ई. 609	विद्यालय प्रबन्धन	4	100
4.	टी.ई. 610	क्रियात्मक अनुसन्धान	4	100
5.	टी.ई. 337	लैंग्वेज एक्रास द करीकूलम (सम्पूर्ण पाठ्यचर्या में भाषा)	5	100

मूल्यांकन

- पाठ्यक्रम संकेत टीई 601, 602, 603, 604, 605,606, 607, 608, 609, 610, 651, 672, का 40% आन्तरिक और 60% बाह्य मूल्यांकन होगा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सी.बी. सी. एस. नियमानुसार ही आन्तरिक मूल्यांकन किया जाएगा। टी-1 एवं टी -3 परीक्षण (टेस्ट) होंगे। टी-2 अनिवार्य होगा जो आपके पाठ्यक्रम सम्बन्धित सत्रीय कार्य के प्रतिवेदन पर आधारित होगा।
- बाह्य आंकलन के लिए आंतरिक विकल्प के साथ चार प्रश्न वाले प्रश्न पत्र होंगे।
- टी.ई. 631 चार क्रेडिट (2 क्रेडिट सैदान्तिक और 2 क्रैडिट प्रयोगात्मक अर्थात् 50 अंक प्रयोगात्मक के लिए)। पाठ्यक्रम संकेत टी.ई. 631 के सैद्धान्तिक पक्ष का 40% आन्तरिक तथा 60% बाह्य मूल्यांकन होगा। सेमेस्टर के अन्त में प्रयोगात्मक परीक्षा बोर्ड ऑफ स्ट्डीज के द्वारा संस्तुत 2 परीक्षकों के पैनल द्वारा सम्पन्न किया जाएगा। कोर्स कोड टी.ई 632, 636, 637 का मूल्यांकन 40% आन्तरिक और 60% बाह्य होगा। आन्तरिक मूल्यांकन बोर्ड ऑफ स्ट्डीज के द्वारा संस्तुत दो परीक्षकों के पैनल द्वारा लिए गए वायवा (मौखिक परीक्षा) तथा विभिन्न क्रियाओं के प्रतिवेदन के आधार पर किया जाएगा।

सेमेस्टर-1

(4 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम संकेत –टी.ई. 601

शिक्षा का दर्शन एवं समाजशास्त्र

इकाई-1. शिक्षा का दर्शनः प्रकृति, विषयक्षेत्र एवं आवश्यकता

शिक्षा का दार्शनिक आधारः प्रकृतिवाद, प्रयोजनवाद, आदर्शवाद तथा यथार्थवाद उपागम के मुख्य विशेषताएं तथा उनके शैक्षिक निहितार्थ, अस्तित्ववादः विशेषताएं तथा शैक्षिक निहितार्थ

इकाई 2. शैक्षिक विचारकः टैगोर, गाँधी जी, श्री अरविन्दो एवं जाकिर हुसैन के शिक्षा सम्बन्धी विचार

इकाई 3. शैक्षिक समाजशास्त्रः अर्थ, विषयक्षेत्र एवं आवश्यकता

संस्कृति, सामाजिक गतिशीलता और आधुनिकीकरणः इनकी प्रकृति एवं शिक्षा पर इनका प्रभाव, सामाजिक पुनर्निर्माण में इनकी भूमिका

इकाई 4. सामाजिक स्तरीकरण और शिक्षा पर इसका प्रभाव

सामाजिक परिवर्तन और समाजीकरणः इनका सम्प्रत्यय, सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने वाले कारक, सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजीकरण के लिए शिक्षा

आंतरिक आंकलन

T-2 : विभिन्न विचारकों की पुस्तकों का अध्ययन तथा तद्नुसार स्वचिंतन की अभिव्यक्ति

T-1+T-3 : परीक्षा

संदर्भपुस्तकें

- रस्कः द फिलॉसफिकल बेसस ऑफ एजुकेशन
- ओड, एल. केः शिक्षा की दार्शनिक एवं समाशास्त्रीय पृष्ठभूमि
- पाण्डेय, आर. एसः शिक्षा दर्शन
- प्रधानः रवीन्द्रनाथ का शिक्षा दर्शन
- रूहेला, एस. पी. : शिक्षा का समाजशास्त्र
- रूहेला, एस. पी. तथा अहमद, आईः युनिकनेस ऑफ जाकिर हुसैन एण्ड हिज़ कॉन्ट्रीब्यूशन

पाठ्यक्रम संकेत

टीई. 602 (4 क्रेडिट्स)

अधिगमकर्ता का विकास

इकाई 1. शिक्षा मनोविज्ञानः

प्रकृति, विषय क्षेत्र और विधियाँ, वृद्धि एवं विकास के सिद्धांत, माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के विकासात्मक लक्षण/विशेषताएँ : संज्ञानात्मक, सामाजिक, नैतिक और संवेगात्मक विकास के लक्षण। वैयक्तिक विभिन्नताएं और उनके शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई 2. मानसिक स्वास्थ्य और समायोजनः

मानसिक रूप से स्वस्थ बालक के लक्षण, मानसिक स्वास्थ्य के सिद्धांत, समायोजन के संभावित खतरे, अधिगमकर्ता की व्यवहारगत समस्याएँ, समायोजन की कार्य प्रणाली/ क्रियाविधि

इकाई 3. बुद्धि और व्यक्तित्वः

अर्थ, प्रकृति और सिद्धांत

इकाई 4. विशेष आवश्यकता वाले बालकः

प्रतिभाशाली, मानसिक रूप से पिछड़े बाल-अपराधी और दिव्यांग बालकों की पहचान, विशेष बनाम समावेशी शिक्षा

आन्तरिक आंकलन

T-2 : किसी छात्र के विकास की रूपरेखा बनाना

अथवा

विशेष आवश्यकता वाले बालकों की विशेषताओं का अध्ययन

T1एवं T3 : परीक्षण

संदर्भित ग्रंथ-

- बिगे, एम. एल. एण्ड हंट, एम. पीः साइकोलाजिकल फाउन्डेशन ऑफ एजुकेशन
- ग्रेग, आर. सी., मेहरेन्स, डब्लू, ए. एण्ड क्लैरिजेयॉन, एच. एफ. : कन्टेम्प्रेरी एजुकेशनल साइकोलाजी
- गुप्ता,एस. पीः आधुनिक शिक्षा मनोविज्ञान
- हरलॉक, ई. पीः चाइल्ड डवलपमेन्ट
- माथुर, एस.एसः शिक्षा मनोविज्ञान
- पाण्डेय, आर.एसः शिक्षा मनोविज्ञान
- राव, एस. एनः एडवान्सड एजुकेशनल साइकोलॉजी
- सिंह, ए. केः शिक्षा मनोविज्ञान
- वूलफॉक, ए.ई. : एजुकेशनल साइकोलॉजी
- मिश्रा, के. एसः शिक्षा मनोविज्ञान के नये क्षितिज

पाठ्यक्रम संकेत

टीई-603

(4 क्रेडिट्स)

विद्यालय पाठ्यचर्या विकास

इकाई 1. शैक्षिक उद्देश्यः

उनका वर्गीकरण तथा उनको व्यवहारिक रूप में लिखना

इकाई 2 पाठ्यचर्या

अर्थ, पाठ्यचर्या तथा पाठ्यक्रम में अन्तर, पाठ्यचर्या के प्रकार

पाठ्यक्रम विकासः एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य तथा वर्तमान पाठ्यचर्या में कमियाँ।

इकाई 3. पाठ्यक्रम विकास के उपागम-

पाठ्यक्रम अभिकल्प, पाठ्यचर्या निर्माण के सिद्धान्त, पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया के सोपान, पाठ्यचर्या का संगठन–पाठ्यक्रम अनुभवों का चयन तथा उद्देश्य, पाठ्यवस्तु का निर्धारण, पाठ्यक्रम संश्लेषण.

इकाई 4. पाठ्यचर्या विकास का व्यवसायिक समर्थन

एन.सी.ई.आर.टी, सी.बी.एस.ई, एस.सी.ई.आर.टी, एस.आई.ई.एस. की भूमिका

- पाठ्यचर्या हस्तपुस्तिकाओं का निर्माण, माड्यूल, स्रोत सामग्री, नवोदित अनुदेशनात्मक सामग्री
- पाठ्यपुस्तक : पाठ्यपुस्तक के प्रकार, विशेषतायें, उनका अधिगम में योगदान तथा उनका मूल्यांकन
- एन.सी.एफ. (2005) मुख्य विशेषताएँ

आन्तरिक आंकलन-

- T2- विद्यालय की पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ का विश्लेषण

  अथवा

  विद्यार्थी के पठन अथवा लेखन की कठिनाइयों का पता लगाना।

  अथवा

  शिक्षक हस्तपुस्तिका के प्रति शिक्षकों की राय

- T1 एवं T3 : परीक्षण

सन्दर्भित पुस्तकें

- बलसारा, एमः प्रिंसिपल्स ऑफ करीकूलम कॉन्सट्रक्शन
- बिस्वास, एन. बी.:करीकूलम स्ट्डीज़ः अ मॉडल फॉर सार्क कनट्रीज़
- एन. सी.ई. आर. टी.: नेशनल करीकूलम फ्रेमर्वक फॉर स्कूल एजुकेशन
- ऑर्नस्टीन, ए. सी. : करीकूलमः फाउन्डेशन्स, प्रिंसिपल्स एण्ड थ्योरीज़
- प्रसाद, जे एण्ड कौशिक, वी. के. : एडवान्स्ड करीकूलम कॉन्स्ट्रकशन
- यादव, एस. आर. : पाठ्यक्रम विकास

कोर्स कोड - टी.ई. 604

(4 क्रेडिट्स)

शिक्षण के सिद्धान्त और विधियाँ

इकाई 1 शिक्षण की प्रक्रियाः

शिक्षण का अर्थ, अवस्थाएं तथा स्तर, मूलभूत शिक्षण प्रतिमान, सम्प्रेषण प्रक्रिया- अर्थ, प्रभावित करने वाले कारक, सम्प्रेषण के साधन

इकाई 2 **शिक्षण कौशलः**

पाठ प्रस्तावना कौशल, प्रश्न प्रेषण, उद्दीपन परिवर्तन, दृष्टान्त, व्याख्या, समापन, पुनर्बलन, प्रदर्शन, सूक्ष्म शिक्षण तथा एकीकरण कौशल

इकाई 3 **शिक्षण के प्रतिमानः**

अर्थ, मुख्य विशेषताएं, प्रकार सम्प्रत्यय उपलब्धि, सम्प्रत्यय निर्माण, अग्रिम संगठक, पूछताछ शिक्षण, यथार्थवत या अनुरूपण शिक्षण, अन्तःक्रिया विश्लेषण, सम्प्रेषण नियन्त्रण, समूह या दल शिक्षण, सहयोगात्मक अथवा सहकारी अधिगम, शिक्षण सूत्र

इकाई 4 मस्तिष्क विप्लव, संवाद विधि, सहभागिता विधि योजना, जिगसॉ गतिविधियाँ तथा शिक्षण की संरचित विधि, समस्या समाधान, पात्र अभिनय, नाटकीयकरण, सेमिनार, क्विज, अभिक्रमित अनुदेशन, सम्प्रत्यय उपलब्धि, लघु समूह निर्देश उपागम, संसाधन केन्द्र आधारित अधिगम

आन्तरिक आंकलन-

T2: सूक्ष्म शिक्षण अभ्यास

एवं

किसी एक शिक्षण प्रतिमान पर आधारित एक पाठ योजना की तैयारी तथा यथार्थ परिस्थिति में प्रतिपादन/प्रस्तुति

T1 एवं T3 : परीक्षण

सन्दर्भित पुस्तकें

- मिश्रा, के. एस. : शिक्षा में नव चिन्तनः शिक्षण प्रतिमान
- ब्रूस, आर. एण्ड जॉयस्: मॉडल ऑफ टीचिंग
- एलियन एण्ड रियानः माइक्रोटीचिंग रीडिंग
- अग्रवाल, जे. सी. : प्रिंसिपल एण्ड मैथेड्स ऑफ टीचिंग

- अग्रवाल, जे. सी. : इशैन्शियल ऑफ एजुकेशन टेक्नोलॉजी
- कोछड़, एस. के. : मैथेड्स एण्ड टैकनिक ऑफ टीचिंग
- कायरियाकऊ, सीः इशैन्शियल टीचिंग स्किल्स

पाठ्यक्रम संकेत टी.ई. 631 (4 क्रेडिट्स)

व्यक्तित्व विकास तथा योगा

4 क्रैडिट्स

2 क्रेडिट सैद्धान्तिक +2 क्रेडिट प्रयोगात्मक

100 अंक = 50 सैद्धान्तिक एवं 50 प्रयोगात्मक

इकाई-1

दृश्य कला एवं सौन्दर्य

सैद्धान्तिक

- कला का महत्व एवं पाठ्यचर्या में इसका स्थान, अन्य विषयों के साथ सहसम्बन्ध
- पुराने कला विद तथा समसामयिक कलाकार की कृतियों एवं कार्यों के उदाहरणों द्वारा कला पर चर्चा-परिचर्चा
- सृजनात्मक अभिव्यक्ति हेतु विभिन्न सामग्री तथा माध्यम पर चर्चा-परिचर्चा (वाटर कला, पोस्टर कलर, आयल पेस्ट्ल्स, मिक्स मीडिया, चार कोल, एक्रेलिक (मोम) आदि
- विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयोगात्मक

- चित्रकला
- पोस्टर
- प्रतिरूप
- क्ले मॉडलिंग
- वॉल मैगज़ीन
- रंगोली
- पपेट मेकिंग

इकाई-2

कलाभिनय तथा मौखिक सम्प्रेषण

सिद्धान्त

- अभिनय के माध्यम से योजना योग्य अन्वेषण की पहचान पर चर्चा-परिचर्चा
- गीतों का चयन
- नाटक सम्बन्धी योजना, पटकथा तथा क्रियान्वयन की अवस्था /स्तर
- सम्प्रेषण –अर्थ, महत्व, अच्छे श्रव्य- दृश्य प्रस्तुतिकरण हेतु सुझाव
- विद्यालय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रयोगात्मक-

- नाटक
- संगीत
- नृत्य

- वाद विवाद/सम्भाषण
- वक्तृत्व कला/ सस्वर पाठ
- समूह चर्चा-परिचर्चा

इकाई-3

स्वास्थ्य एवं खेल-

सिद्धान्त एवं खेल सिद्धान्त

- स्वास्थ्य एवं शारीरिक उपयुक्तता (फिटनेस) का सम्प्रत्यय
- पाठ्यचर्या में खेल कूद का स्थान, स्वास्थ्य पर उसका प्रभाव
- विद्यालय में खेलकूद क्रियाओं का आयोजन

प्रयोगात्मक

- सामान्य शारीरिक उपयुक्तता (फिटनेस) के अभ्यास, लयात्मक क्रियाएं, आत्म सुरक्षा
- निम्नलिखित खेलकूद में व्यवहार में लाए जाने वाले नियम और कानून

  (अ) फुटबॉल (ब) हॉकी (स) क्रिकेट (द) वॉलीबॉल (य) बैडमिंटन

  (फ) कबड्डी (ज) टेबिलटेनिस (ह) बास्केट बॉल (ई) साइक्लिंग (ज)खो-खो

इकाई-4

योग

सिद्धान्त-

- योग का अर्थ, सम्प्रत्यय तथा परिभाषा
- योग का इतिहास एवं महत्व
- योग अभ्यास हेतु उद्देश्य एवं दिशा निर्देश, आसन करते समय सुरक्षात्मक

उपाय एवं सावधानियाँ

- त्रिगुण का सम्प्रत्ययः पाँच यम एवं पाँच नियम
- योग का शारीरिक आधारः आसन, प्रकार एवं अभ्यास
- प्राणायामः अर्थ, प्रकार और अभ्यास
- प्राणायाम की विभिन्न अवस्थाएं
- पूरक (खाँस अन्दर ले जाना), कुम्भक (धारण किए रहना), रेचक (खाँस को बाहर छोड़ना)

प्रयोगात्मक-

- आसन
- प्राणायाम- अनुलोम- विलोम, भस्त्रिका, भ्रामरी
- सूर्य नमस्कार
- ध्यान

सेमेस्टर-II

पाठ्यक्रम संकेत – टी .ई.651-661

(2+2 क्रेडिट्स)

विषय ज्ञान

यू. पी. बोर्ड द्वारा कक्षा 9 तथा 10 में संस्तुत संवादी शिक्षण विषय की पाठ्य सामग्री ''विषय ज्ञान'' की पाठ्य सामग्री के रूप में अनुमोदित की जाएगी।

निर्देश- प्रत्येक विद्यालयी विषय में सेमेस्टर के अन्त में होने वाली परीक्षा के प्रश्न

पत्र में 06 लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 05 अंक के होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 8 प्रश्न होंगे।

प्रयोगात्मक-

- T2- प्रयोगात्मक कार्य पर आधारित पद प्रश्नपत्र

अथवा

- विषय से सम्बन्धित किसी भी मुद्दे पर योजना कार्य (प्रोजेक्ट)
- T1 + T3- परीक्षण

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम संकेत	पाठ्यक्रम शीर्षक
1.	टी.ई. 651-661 (वैकल्पिक)	विषय ज्ञान। अभ्यर्थी द्वारा चयन्ति माध्यमिक स्तर के किन्हीं दो शिक्षण विषय- (टी.ई. 651) अंग्रेजी (टी.ई. 652) हिन्दी (टी.ई. 653) संस्कृत (टी.ई. 654) गणित (टी.ई. 655) भौतिक विज्ञान (टी.ई. 656) जीव विज्ञान (टी.ई. 657) इतिहास (टी.ई. 658) भूगोल (टी.ई. 659) अर्थशास्त्र (टी.ऊ. 660) नागरिक शास्त्र (टी.ऊ. 661) वाणिज्य

2.	टी.ई. 662-672 (वैकल्पिक)	शिक्षण कला अभ्यर्थी द्वारा चयनित माध्यमिक स्तर के उपरोक्त दोनों विषयों की शिक्षण कला
	टी.ई.-662	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य की शिक्षण कला
	टी.ई. 663	हिन्दी भाषा एवं साहित्य की शिक्षण कला
	टी.ई. 664	संस्कृत भाषा एवं साहित्य की शिक्षण कला
	टी.ई. 665	गणित की शिक्षण कला
	टी.ई. 666	भौतिक विज्ञान की शिक्षण कला
	टी.ई. 667	जीव विज्ञान की शिक्षण कला
	टी.ई. 668	इतिहास की शिक्षण कला
	टी.ई. 669	भूगोल की शिक्षण कला
	टी.ई. 670	अर्थशास्त्र की शिक्षण कला
	टी.ई. 671	राजनीति विज्ञान की शिक्षण कला
	टी.ई. 672	वाणिज्य की शिक्षण कला

Course Code - 651

English Subject Knwledge

Unit 1 : Prose

- The Enchanted Pool,
- The Ganga
- Plants also Breathe and feel,
- Gandhijee and a coffee drinker
- Marco polo
- Playing the game

Unit II : Poetry

- The Mountain and the squirrel
- Indian Weavers
- The Fountain
- The Palm of Life
- Sympathy
- Faithful friends

Unit III : Grammar

- Parts of Speech- Noun, Pronoun, Adjective, Verb, adverb, preposition, conjunction, Interjection
- Tenses (past, present, future)
- Direct and Indirect speech
- Active and passive voice
- Translation

Unit IV : Composition

- Guided and free composition
- Letter writing (formal and informal)
- unseen passage

पाठ्यक्रम संकेत –टी ई 652

हिन्दी

इकाई-1

- गद्य का विकासः संक्षिप्त परिचय
- मंत्र-प्रेमचंद
- गिल्लू- महादेवी वर्मा
- मित्रता-आचार्य राम चन्द्र शुक्ल
- ममता- जयशंकर प्रसाद
- बात-प्रताप नारायण मिश्र
- भारतीय संस्कृति- राजेंद्र प्रसाद

इकाई-2

- काव्य का विकास
- साखी-कबीर दास
- पंचवटी –मैथलीशरण गुप्त
- पुष्प की अभिलाषा-माखन लाल चतुर्वेदी
- पथ की पहचान- हरिवंशराय बच्चन
- भक्ति नीति-बिहारी
- स्वदेश प्रेम-राम नरेश त्रिपाठी

इकाई-3

- रस
- छन्द.
- अलंकार

- उपसर्ग
- प्रत्यय
- तत्सम
- पर्यायवाची, विलोम, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, संधि
- शब्द रूप, धातु रूप
- पत्र लेखन, निबंध

इकाई-4

- दीपदान-राम कुमार वर्मा,
- लक्ष्मी का स्वागत- उपेन्द्रनाथ अश्क
- सीमा रेखा–विष्णु प्रभाकर
- नए मेहमान

पाठ्यक्रम संकेत टी ई 653-

संस्कृत

इकाई I –

- अस्माकं राष्ट्रीय प्रतीकानी
- महात्मा बुद्ध
- नैतिक मूल्यानि
- लोकमान्य तिलकः
- प्राचीन राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था
- पर्यावरण शुद्धिः

इकाई II

- नारी महिला
- क्रिया करक कुतूहलम
- विद्यार्थिचर्या
- गीतामृतं
- सुभाषितानि
- भारत देशः

इकाई III

- शकुंतला पतिगृह गमनम
- श्रम एवं विजयते
- भीमसेन प्रतिज्ञा
- महात्मनः संस्मरणानि
- भोजस्य शल्यचिकित्सा
- कारुणिको जीमूतवाहनः

इकाई-IV

- स्वर संधि के प्रकार, व्यंजन संधि
- समास परिचय-तत्तपुरुष समास ,कर्मधारय समास , द्वंद समास ,द्विगु, बहुब्रीह, अव्ययीभाव समास.
- कारक

पाठ्यक्रम संकेत -654

गणित

इकाई- i

- गति एवं बल- समान तथा असमान गति, चाल तथा वेग, समान चक्रीय गति बल का प्रत्यय, गति के नियम, संवेग संरक्षण का सिद्धान्त
- गुरुत्वाकर्षणः गुरुत्वाकर्षण के नियम तथा अर्थ, पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण में आये पिण्ड की गति
- द्रव्यमान, भार, बल, प्रणोड का प्रत्यय, आर्कमिडीज का सिद्धान्त
- कार्य तथा ऊर्जा- बल द्वारा किया गया कार्य, ऊर्जा का अर्थ, एवं स्वरूप गतिज तथा स्थतिज ऊर्जा, संरक्षण का सिद्धान्त

इकाई. ii

- प्रकाश तथा ध्वनि –प्रकाश परावर्तन तथा अपवर्तन, मनुष्य की आँख तथा दृष्टिदोष, ध्वनि की उत्पत्ति, संचरण, तथा ध्वनि का परावर्तन मानव कर्ण
- विद्युत, विद्युत धारा परिपथ, विद्युत विभव, विभान्तर, ओम का नियम विद्युत प्रतिरोध, प्रतिरोधो का श्रेणी क्रम संयोजन तथा समान्तर क्रम संयोजन, विद्युतधारा के चुम्बकीय प्रभाव
- विद्युत मोटर, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण तथा विद्युत जनित

इकाई- iii

- द्रव्य- द्रव्य की अवस्था तत्व यौगिक तथा मिश्रण, विलयन तथा उसके प्रकार यौगिक तथा मिश्रण में अन्तर
- परमाणु संरचना- अणु तथा परमाणु, परमाणु क्रंमाक, परमाणु भार, समस्थानिक तथा सममारिक
- परमाणु संरचना- थामसन, रदरफोर्ड, तथा बोहर का परमाणु मॉडल

- रासायनिक अभिक्रियाये का लिखना, एवं रासायनिक समीकरणों को सन्तुलित करना, रासायनिक अभिक्रिया के प्रकार
- अम्ल, क्षार व लवण- रासायनिक गुणधर्म, अम्ल की धात्विक कार्बोनेट्स तथा ऑक्साईडस के साथ अभिक्रिया तथा क्षार की अधात्वविक आक्साईडस के साथ अभिक्रिया।
- लवण का प्रत्यय- लवण के प्रकार, सामान्य लवण, बलीचिंग पाउडर, धावनसोडा, खाने का सोडा तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस के निर्माण विधि तथा उपयोग

इकाई- iv

- अर्वित सारिणी
- धातु तथा अधातु- भौतिक तथा रायसायनिक गुण
- वायु ,जल, अम्ल, तथा धातुओ के लवण के साथ अभिक्रिया
- कार्बन तथा उसके यौगिक : उत्पति, कार्बन के बन्ध संतृप्त तथा अंसतृप्त कार्बन यौगिक, कार्बनिक यौगिकों के नामकरण, कार्बन यौगिकों के गुण

पाठ्यक्रम संकेत –टी ई – 655-

भौतिक विज्ञान

इकाई 1

- गति और बल- एक समान गति और असमान गति, चाल और वेग, एक समान वृत्तीय गति, गति का नियम, संवेग संरक्षण
- गुरुत्वाकर्षण- अर्थ, गुरुत्वाकर्षण के नियम और इसका महत्व, पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल के अन्तर्गत पिण्ड की गति,
- द्रव्यमान, भार, दबाब (जोर/धक्का) और दाब की अवधारणा. आर्किमीडीज का सिद्धांत

- कार्य और ऊर्जा – नियत बल द्वारा किया गया कार्य, ऊर्जा का अर्थ और ऊर्जा के प्रकार –गतिज ऊर्जा और स्थितिज ऊर्जा, ऊर्जा संरक्षण का नियम

इकाई.2

- प्रकाश और ध्वनि – प्रकाश का परावर्तन एवं अपर्वतन, मानव नेत्र एवं दृष्टिदोष, ध्वनि की उत्पत्ति, संचरण एवं परावर्तन, मानव कर्ण
- विद्युत- विद्युत धारा और परिपथ, विद्युत विभव और विभान्तर ओम का नियम, प्रतिरोध, श्रेणीक्रम एवं समान्तर क्रम में प्रतिरोधों का संयोजन, विद्युत धारा के चुम्बकीय प्रभाव
- विद्युत मोटर, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण और विद्युत जेनरेटर

इकाई- 3

- पदार्थ- पदार्थ की अवस्थाएं तत्व, मिश्रण और विलयन के प्रकार, विलयन के गुण, यौगिक, यौगिक एवं मिश्रण में अन्तर ।
- एक परमाणु की संरचना- थॉमसन का परमाणु मॉडल, रदरफोर्ड का परमाणु मॉडल, बोहर का परमाणु मॉडल
- परमाणु संरचना – परमाणु और अणु, परमाणु क्रमांक, परमाणु भार, समस्थानिक, समभारी, संयोजकता
- रासायनिक अभिक्रिया एवं समीकरण – रासायनिक समीकरण का निरूपण, रासायनिक समीकरण का संतुलन, रासायनिक समीकरण के प्रकार
- अम्ल, क्षार एवं लवण- अम्ल, क्षार एवं लवण के रासायनिक गुण, धातु कार्बोनेट एवं धातु आक्साइड के साथ अम्ल की क्रिया।
- क्षार के साथ अद्यात्विक आक्साइड की क्रिया।
- लवण की अवधारणा, लवण के प्रकार, सामान्य लवण, ब्लीचिंग पावडर, खाने का सोडा, धावन सोडा,प्लास्टर ऑफ पेरिस – निर्माण एवं उपयोग।

इकाई- 4

- धातु और अधातु- भौतिक एवं रासानिक गुण
- दहन, जल, अम्ल एवं धातु लवण के साथ क्रियाएं
- धातु का शोधन, द्यातु का अरण, और संरक्षण
- कार्बन एवं उसके यौगिक – कार्बन यौगिक की घटना, कार्बन के बन्ध, संतृप्त एवं असंतृप्त कार्बन यौगिक, कार्बन यौगिकों का नामकरण, कार्बन यौगिकों के गुण।

पाठ्यक्रम संकेत –टी.ई. – 656

जीव विज्ञान

इकाई-1

कोशिका और ऊतक-

- कोशिका का संरचनात्मक संगठन – प्लाज्मा झिल्ली, क्रोमोसोम, डी. एन. ए. और आर. एन. ए
- पादप ऊतक- विभज्योतक और स्थायी
- जंतु ऊतक- एपीथिलियल, संयोजी, पेशीय, तंत्रिका

सजीवों में विविधता-

- वर्गीकरण- आधारभूत तथ्य, वर्गीकरण का पदानुक्रम, मोनेरा, प्रोटिस्टा, फंजाई, प्लैन्टी तथा एनिमेलिया वर्ग के विशिष्ट लक्षण
- पादप जगत- विभिन्न संघों के विशेष लक्षण
- जंतु जगत – विभिन्न अकशेरूकी (संघ स्तर तक) तथा कशेरुकियों (वर्गस्तर तक) के विशेष लक्षण

इकाई- 2

पादप एवं जंतुओं में जैव प्रक्रियाएं –

- पोषण, श्वसन, परिवहन, उत्सर्जन
- नियंत्रण एवं समन्वयन, पादप हार्मोन, पादपों में गति
- तंत्रिका तंत्र, अंतःस्रावी तंत्र और कंकाल तंत्र (जंतुओं में)
- पादपों तथा जंतुओं में प्रजनन

इकाई-3

आनुवांशिकता एवं उद्विकास

- लक्षणों की वंशागति, मेण्डल का नियम, लिंग सहलग्न वंशागति जैव प्रौधोगिकी- संप्रत्यय और इसकी उपयोगिता
- जीवन की उत्पत्ति, उद्विकास के सिद्धांत, विकास के प्रमाण, मानव का विकास

  स्वास्थ्य एवं रोग
- स्वास्थ्य का महत्व
- संक्रामक रोग- बैक्टीरिया, विषाणु तथा कवक द्वारा होने वाले रोग
- टायफाइड, हीपेटाइटिस, रैबीज, ट्यूबरकुलोसिस, पोलियों, एक्ज़ीमा रोग के कारण, उपचार तथा लक्षणों की रोकथाम

इकाई- 4

पारिस्थितिकी तंत्र और इसके घटक

- खाद्य श्रृंखला और खाद्य जाल
- वायु, जल, मृदा और ध्वनि प्रदूषण
- ओजोन स्तर और उसका क्षय, हरित गृह प्रभाव,ग्लोबल वार्मिंग
- जल चक्र, नाइट्रोजन चक्र, कार्बन डाइ आक्साइड चक्र और आक्सीजन चक्र

पाठ्यक्रम संकेत टी ई - 657

इतिहास

इकाई. I-

मानव विकास की प्रक्रिया ।

- प्राचीन भारतीय सभ्यता का विकास- सिन्धु घाटी सभ्यता ।
- जनपद, महाजनपद और साम्राज्य का विकास।
- मौर्य, गुप्त और हर्ष काल की उपलब्धियाँ।

इकाई –II .

- सल्तनत राजवंश, सूफी और भक्ति आंदोलन।
- मुगल वंश- सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक योगदान।
- मराठा –परिचय

इकाई- III –

- यूरोपियन का आगमन।
- प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 : परिचय तथा कारण
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (महत्वपूर्ण घटनाएं)

इकाई IV-

- औद्योगिक क्रांति
- पुनर्जागरण काल
- क्रान्ति और यूरोप में काउंटर क्रान्ति
- प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्ध : कारण और परिणाम

पाठ्यक्रम संकेत टी.ई. 658

भूगोल का विषय ज्ञान

इकाई-I

- **भारत –** आकार और स्थिति और भारत की भौतिक विशेषताएः उभार, संरचना, भू-आकृतिक इकाईयां
- **जल निकास** (अपवहन क्षेत्र) मुख्य नदियाँ एवं उपनदियाँ, झीलें और समुद्र अर्थव्यवस्था में नदियों की भूमिका, नदियों का प्रदूषण, नदी प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपाय।
- **जलवायुः-** जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकः मानसून उसके लक्षण,
- **वर्षा एवं वितरणः-** मौसमः जलवायु एवं मानव जीवन। भारतीय जलवायु की विशेषताएं और इसके प्रभाव।

इकाई II-

प्राकृतिक संसाधन

- **भूमि-** संसाधन के रूप में, मृदा के प्रकार, और वितरण (विभाजन) महत्व, विभिन्न उपयोग और मानव पर इसका प्रभाव)
- **वन एवं वन्य जीवन संसाधन :** प्रकार, उपयोग और वितरण, वनस्पति एवं जन्तु समूह का क्षरण, वन एवं वन्य जीवन का संरक्षण एवं सुरक्षा (सरकारी नीति और कार्यक्रम)
- **जल संसाधनः** स्रोत, वितरण, उपयोगिता, बहु उद्देशीय परियोजना (रिहन्द, दामोदर, भाखड़ा नांगल, हीराकुण्ड, नागार्जुन सागर) जल का अभाव, संरक्षण एवं प्रबन्धन की आवश्यकता, वर्षा के जल का संचयन।
- **कृषिः** खेती के प्रकार, प्रमुख फसलों, फसल उगाने का तरीका, तकनीकि और संस्थागत सुधार, उसके प्रभाव, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और उत्पाद में कृषि का योगदान।

इकाई- III-

- **खनिज और ऊर्जा संसाधन-**
- खनिजों के प्रकार, वितरण ,उपयोग और खनिज का आर्थिक महत्व, संरक्षण शक्ति (ऊर्जा) के संसाधनों के प्रकार, परम्परागत और गैर परम्परागत वितरण और उपयोगिता और संरक्षण।
- मत्स्य पालन, कृषि।
- **निर्माण उद्योग-**
- प्रकार, स्धानिक वितरण, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान, पर्यावरण का औद्योगिक प्रदूषण और क्षरण, क्षरण को नियन्त्रित करने के उपाय।
- व्यवसाय – प्राथमिक एवं द्वितीयक।
- सेवाएं – यातायात, दूरसंचार, व्यापार।

इकाई- IV-

- **जनसंख्याः** आकार, घनत्व, वितरण, आयु-लिंग अनुपात, संरचना, जनसंख्या विस्फोट की समस्याएँ नियंत्रण के उपाय।
- **प्राकृतिक आपदा-** (भूस्खलन, बाढ़, अनावृष्टि (सूखा), चक्रवात, सुनामी) रोकथाम और कमी।
- **मानव निर्मित आपदाएँ-** नाभिकीय, जैविक और रासायनिक (विस्फोट), भू-तापन, ओजोन क्षरण, हरित दाह प्रभाव, रेडियोंधर्मिता कारण और प्रभाव
- आपदा प्रबन्धन का परिचय।

पाठ्यक्रम संकेत टी ई 659

अर्थशास्त्र

इकाई - I

- अर्थव्यवस्था का अर्थ एवं प्रकार – पूंजीवादी, समाजवादी एवं मिश्रित
- अर्थव्यवस्था के मूलभूत तत्व- उत्पादन के उपादानों से समन्वय एवं उपभोक्ता की अपेक्षा
- भारतीय अर्थव्यवस्था की मूलभूत प्रवृत्ति–आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक विकास
- भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र – स्वामित्व के आधार पर- निजी सार्वजनिक और मिश्रित ।
- व्यवसाय के अनुसार- प्राथमिक कृषि, खनन, मत्स्य पालन और पशु पालन
- माध्यमिक खण्ड – विनिर्माण, बिजली, गैस और पानी
- तृतीयक खण्ड- बैंक, बीमा सेवाएं बौद्धिक संपदा सहित (अन्य सेवाएं)।

इकाई II –

- सामाजिक विकास के संकेतक- शिक्षा (प्रशिक्षण और अनुसंधान,) स्वास्थ्य, आवासीय, जीवन प्रत्याशा, नागरिक सुविधाएं, शांति व्यवसायिक सुविधाएं, उपभोक्ता जागरूकता
- आर्थिक विकास के संकेतक- परिवहन और संचार नेटवर्क, बिजली और सिंचाई, मौद्रिक और वित्तीय संस्थान, स्वदेशी धन ऋणदाता रिजर्व बैंक, विशिष्ट वित्तीय संस्थान और गैर बैंकिग वित्तीय संस्थान।
- विकास के अनुसार दुनिया में भारत की स्थिति।

इकाई - III-

- उपभोक्ता और उत्पादन के बीच संबंध –वस्तु विनिमय प्रणाली, बिक्री विनिमय, बाजार।
- कारकों के बीच उत्पादन का वितरणः भूमि, श्रम, पूंजी और किराया, संगठन, ब्याज, लाभ और मजदूरी
- आर्थिक विकासः वित्त की आवश्यकता, केन्द्रीय, राज्य और स्थानीय निकायों की आय का स्रोत, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर, व्यय की वस्तुएं
- भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का स्थानः परिचय, भूमि सुधार, जमीनदारी उन्मूलन, चकबंदी, उच्चतम भूमि कृषि श्रम।
- कृषि उत्पादकताः पिछड़ेपन का कारण, सुधार के उपाय, कृषि विकास के कार्यक्रम, कृषि में विकास की संभावनाएं, कृषि में आधुनिकीकरण।
- कृषि और उद्योग में परस्पर संबंध (तीव्र और संतुलित औद्योगिकीकरण संरचना की आवश्यकता), वर्तमान औद्योगिक संरचना, कुटीर, लद्यु और बड़े उद्योग)
- औद्योगिक उत्पादकता और दक्षता, कम उत्पादन के कारण औद्योगिक विकास के लिए उठाए गए कदम, उपलब्धियाँ और भविष्य के औद्योगिक विकास के लिए दृष्टिकोण

इकाई IV-

- आर्थिक योजनाः अर्थ, आवश्यकता और उद्देश्य पंचवर्षीय योजना और उपलब्धियाँ।
- आर्थिक विकास को बढावा देने में राज्य की भूमिकाः राज्य द्वारा हस्तक्षेप, उत्पादन और वितरण पर राज्य का नियंत्रण औद्योगिक लाइसेंस, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और राशन व्यवस्था।
- विदेशी व्यापार की नीतिः अर्थ एवं महत्व, आयात–निर्यात की मुख्य वस्तुएँ, आयात- निर्यात की दिशा।

पाठ्यक्रम संकेत टी ई 660

राजनीतिक विज्ञान

इकाई - I

- भारतीय संविधान (मुख्य लक्षण)
- मूल भूत अधिकार, कर्तव्य, निर्देशित सिद्धान्त
- प्रजातन्त्र (एक परिचय)
- निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान व्यवहार

इकाई - II

- स्थानीय स्व प्रशासन
- पंचायत राज – ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद् (उनका चयन और कार्य)
- नगर पालिका समिति तथा नगर पालिका निकाय (चयन तथा कार्य)

इकाई - III

- संघीय विधायिका
- संघीय कार्यपालिका
- न्यायिक प्रणाली – सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, जनपद एवं सत्र न्यायालय, लोक अदालत

इकाई - IV

- भारतीय विदेश नीति
- पड़ोसी देशों के साथ सम्बन्ध
- संघीय राष्ट्र
- देश की आन्तरिक तथा बाह्य सुरक्षा

पाठ्यक्रम संकेत टी ई 661

वाणिज्य

- **यूनिट – I**
  - दोहरा लेखा प्रणाली के आधारभूत मान्यताएँ, सिद्धांत और अभ्यास
  - लेखा पुस्तकों का रखरखाव-रोजनामचा, खाताबही, रोकड़ बही, तलपट
  - भारतीय लेखा प्रणाली
- **यूनिट – II**
  - धन, इतिहास, परिभाषाएँ, कार्य, महत्व, वर्गीकरण
  - भारतीय मौद्रिक प्रणाली
  - बैंक – उद्भव, परिभाषा, कार्य महत्व
  - रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया, वाणिज्यिक बैंक, सहकारी बैंक
- **यूनिट – III**
  - अर्थशास्त्र, अर्थ, परिभाषा, कार्यक्षेत्र, महत्व, अर्थशास्त्र से संबंधित शब्द
  - चाहत – अर्थ, विशेषताएँ, वर्गीकरण
  - उपयोगिता ह्रास नियम, उत्पादन के साधन
- **यूनिट – IV**
  - देसी व्यापार
  - थोक व्यापार
  - खुदरा व्यापार
  - बीजक और खाता बिक्री

पाठ्यक्रम संकेत टी ई 662-672

(4+4 केडिट्स)

दो विद्यालयी विषयों की शिक्षण कला

आंतरिक आंकलन (टीई 662-672)

- T2 : दो चयनित प्रत्येक विषय में 5 श्रव्य दृश्य सामग्री को तैयार करना
- T1 एवं T3 : परीक्षण

Course Code - 662

PEDAGOGY OF ENGLISH LANGUAGE AND LITERATURE

1. Nature of English Language, its places in Indian schools as a subject, factors influencing development of English language, Theories of Chomsky, Bernstein and Phill more about language development. Aim of teaching English, Writing objectives in behavioural terms.
2. Methods of teaching English - Direct method, grammar-translation method, bilingual method, inductive-deductive method, structural approach, situational approach, communication approach, programmed instruction.
3. Language Skills-Listening, reading, speaking and writing, development of language skills, Role of drill.
   Teaching of prose, poetry, novel, drama, grammar and composition.
4. Use of audio-visual aids, real objects, flash cards, wall charts, audio and video-visual aids, real objects, flash cards, wall charts,

audio and video-cassettes, records, film strips, radio, television, language labouratory, overhead projector, etc. and ICT for teaching English.

Assessment of Learning outcomes.

Qualities and competencies of an English teacher.

Organizing enrichment of remedial activities.

Books Recommended:

- Agnihotri, R.K. & Sharma, A.L. : English Language Teaching in India Issue & Innovations.
- Allen, H.B. & Campbell, R.P. : Teaching of English as a Second Language
- Chaudhary, N.R. : Teaching English in Indian Schools
- Frishy, A.C. : Teaching English
- Hornby, A.S. : Teaching of Structural Words
- Mualel, J.C. : Approaches to English language Teaching.

पाठ्यक्रम संकेत –टी ई 663

हिन्दी भाषा एवं साहित्य की शिक्षण कला

1. विद्यालयी पाठ्यचर्या में हिन्दी भाषा का स्थान एवं विभिन्न विद्यालयी विषयों से सह-सम्बन्ध, मातृभाषा हिन्दी एवं राष्ट्रीय भाषा के रूप में।
   हिन्दी भाषा शिक्षण के उद्देश्य एवं हिन्दी शिक्षण के लिखित उद्देश्य व्यवहारगत सन्दर्भ में।
2. शिक्षण की विधियाँ - पद्य, नाटक, गद्य, कहानी, मुहावरा व्याकरण एवं आलोचना।
3. शिक्षणः वाचन, लेखन, उच्चारण एवं वर्तनी।
   पाठ्य पुस्तक की तैयारी, पूरक पुस्तिका, शिक्षक निर्देशन एवं कार्य पुस्तिका, एक अच्छी पाठ्यपुस्तक के चुनाव हेतु मापदण्ड।

4. भाषा शिक्षण में श्रव्य- दृश्य साधन, हिन्दी भाषा शिक्षण में प्रमुख साधनों का प्रयोगः रेडियों, दूरदर्शन, टेपरिकार्डर, विडियोकैसेट, चित्रविस्तारक यंत्र, ओवर हेड प्रोजेक्टर (शिरोपरि प्रक्षेपक) भाषा प्रयोगशाला एवं हिन्दी शिक्षण में सूचना संचार तकनीक का प्रयोग ।
   माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में भाषा सम्बन्धी मुख्य कठिनाइयाँ एवं हिन्दी भाषा के विकास को प्रभावित करने वाले कारक।
   हिन्दी में मूल्यांकन की प्रविधियाँ।
   हिन्दी शिक्षक के गुण एवं निपुणता।
   हिन्दी भाषा शिक्षण एवं पाठ्यसहगामी क्रियायें।

सन्दर्भित पुस्तकें-

- फल्वार, आर. पी. : लैंग्वेज एण्ड एजुकेशन
- हैमबॉल्ट, पी. :लैंग्वेज लर्निंग
- ओड, एल. के : हिन्दी शिक्षण में त्रुटि, निदान एवं उपचार
- पाण्डेय, आर. एस. : हिन्दी शिक्षण
- क्युर्क, आर. : द स्टडी ऑफ मदरटंग
- सिंह, एम. के. : माध्यमिक विद्यालयों में हिन्दी शिक्षण
- शर्मा, डी. एल.: हिन्दी शिक्षण प्रशिक्षण

पाठ्यक्रम संकेत टीई 664

संस्कृत भाषा एवं साहित्य की शिक्षण कला

1. संस्कृत भाषा एवं साहित्य का महत्व, विद्यालयी पाठ्यचर्या में इसका स्थान, संस्कृत शिक्षण के सामान्य सिद्धान्त।

   संस्कृत शिक्षण के लक्ष्य, व्यवहारपरक उद्देश्य लेखन।

2. संस्कृत शिक्षण की विधियाँ

3. पठन, लेखन, अनुवाद, व्याकरण गद्य, पद्य, नाटक, कहानी एवं रचना शिक्षण।

संस्कृत शिक्षण में कंठस्थीकरण का मूल्य।

भाषा कठिनाई के कारण, उपचारात्मक उपाय।

4. संस्कृत शिक्षण के लिए श्रव्य-दृश्य सामग्री, रेडियो, टी.वी., फिल्म पट्टिका इत्यादि एवं सूचना सम्प्रेषण तकनीक का प्रयोग ।

   पाठ्य-सहगामी क्रियाओं का संगठन, संस्कृत शिक्षण में अधिगम परिणामों का आकलन ।

   संस्कृत शिक्षक के गुण एवं योग्यताएं

संदर्भ पुस्तकेः

- आप्टे,जी.डी. व आग्रे, पी, के. : टीचिंग ऑफ संस्कृत इन सेकेण्डरी स्कूल्स।
- चतुर्वेदी, एस. पी. : संस्कृत शिक्षण
- मिश्रा . पी. एस. : संस्कृत शिक्षण
- पाण्डेय, आर. एस. : संस्कृत शिक्षण
- त्रिपाठी, आर. एन. : संस्कृत अध्यापन विधि

टी ई 665 गणित की शिक्षण कला

1. गणित की प्रकृति क्षेत्र तथा महत्व

   गणित शिक्षण के लक्ष्य तथा उद्देश्य

   प्रत्यय विकास –गणित अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक

2. विद्यालय पाठ्यचर्या में गणित का स्थानः पाठ्यचर्या तत्वों का चुनाव, निर्धारण तथा संगठन, गणित विषय का अन्य विषयों से सहसम्बन्ध।

   हाईस्कूल स्तर पर गणित पाठ्यक्रम की समालोचना तथा पाठ्यपुस्तक

3. गणित शिक्षण की विधियाँ – आगमन तथा निगमन, विश्लेषण तथा संश्लेषण,

प्रोजेक्ट, व्याख्या, मैथेटिक्स, अभिक्रमित अनुदेशन .

भिन्न, प्रतिशत, ग्राफ, समीकरण समस्या तथा लॉग का शिक्षण

4. गणित शिक्षण के श्रव्य- दृश्य साम्रगी, कठोर तथा मृदुल उपागम तथा सूचना सम्प्रेषण तकनीकी

गणित के अधिगम परिणामों के मूंल्याकन की विधियाँ

गणित को विद्यालय के अतिरिक्त लोकप्रिय बनाने की विधियाँ

एक योग्य गणित अध्यापक के गुण तथा योग्यतायें।

सन्दर्भ पुस्तकें-

- छादा, बी. एन. टीचिंग ऑफ मैथ्समेटिक्स
- धर्मवीर एण्ड अग्रवालः द टीचिंग ऑफ मैथ्समेटिक्स इन इण्डिया
- रावत, एम. एस, एण्ड अग्रवालः एम. बी. एल. : गणित शिक्षण
- स्कूल्ट्ज, ए. : द टीचिंग ऑफ मैथ्समेटिक्स इन सेकेण्डरी स्कूल

(टी ई 666-) भौतिक विज्ञान की शिक्षण कला

1. भौतिक विज्ञान की प्रकृति, क्षेत्र तथा महत्व। पृच्छा निधि, माध्यमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण के लक्ष्य तथा उद्देश्य, सामान्य विज्ञान शिक्षण के उद्देश्यों के वर्गीकरण की विभिन्न विधियों की समीक्षा

2. विद्यालयी पाठ्यचर्या में सामान्य विज्ञान का स्थान, विज्ञान को विषय के रूप मे रखने की आवश्यकता, माध्यमिक स्तर पर विज्ञान पाठ्यक्रम तथा इसकी समालोचना।

   विज्ञान पाठ्यक्रम का चुनाव तथा संगठन तथा कुछ विज्ञान परियोजनायें, विज्ञान पाठ्यपुस्तक, प्रकार, कमियाँ तथा कार्य।
   विज्ञान प्रयोगशालाः नियोजन के सामान्य सिद्धान्त, प्रयोगशाला के प्रकार, हाईस्कूल स्तर की विज्ञान प्रयोगशाला के आवश्यक उपकरण तथा प्रयोगशाला दुर्घटनायें।

3. विज्ञान शिक्षण की विधियाँ : आगमनात्मक तथा निगमनात्मक, व्याख्यान, व्याख्या–प्रदर्शन, प्रोजेक्ट, समस्या समाधान, ह्यूरिस्टिक खोज, टोली शिक्षण तथा अभिक्रमित अनुदेशन, पाठयोजना का निर्माण तथा इकाई पाठ योजना

4. विज्ञान कला, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान संग्रहालय तथा विज्ञान प्रश्नोतरी कार्यक्रमों के आयोजन तथा महत्व।

   विज्ञान शिक्षण मे श्रव्य दृश्य साम्रगी, चार्ट, फिल्म, फिल्मस्ट्रिप, फिल्म स्लाइड, वास्तविक वस्तु, रेडियो, टी.वी., श्रव्य दृश्य कैसेट, चित्र विस्तारक, प्रक्षेपण यंत्र (ओ.एच.पी), कम्प्यूटर तथा सूचना सम्प्रेषण विधि का प्रयोग

   एक अच्छे विज्ञान शिक्षक के गुण तथा योग्यतायें तथा इनकी व्यवसायिक वृद्धि का विकास

   उद्देश्यों के आधार पर मूल्यांकन की विधियाँ।

   प्रायोगिक परीक्षण का माध्यमिक स्तर पर औचित्य

सन्दर्भित पुस्तकें

- दास, आर. एस. – साइन्स टीचिंग इन स्कूल्स
- गुप्ता, एस. के.- टेक्नालॉजी ऑफ साइन्स एजुकेशन
- हीस्ट्स, ओबोर्न एण्ड हॉफमैनः मार्डन साइन्स टीचिंग
- हर्ड, पी. डी. : न्यू डायरेक्शन्स इन टीचिंग सेकेण्डरी स्कूल साइन्स
- एन. एस. एस. ई. : रिथिंकिंग इन साइन्स एजुकेशन
- मिश्रा के. एस. : परसपेक्टिव इन साइन्स एजुकेशन
- न्यूबेरी, एन. एफ. टीचिंग ऑफ केमिस्ट्री
- विद्या, एन :न्यू ट्रेंड्स इन केमिस्ट्री टीचिंग
- वॉश टीन : टीचिंग साइन्स क्रिएटिविटी

टी.ई (667)

जीव विज्ञान का शिक्षण

1. जीव विज्ञान की प्रकृति, विषय क्षेत्र और महत्व, जीव विज्ञान शिक्षण का लक्ष्य तथा उद्देश्य, मुख्यतः ब्लूम तथा क्लॉफर के वर्गीकरण के अनुसार जीव विज्ञान शिक्षण में उपयोग में आने वाले अधिगम के सिद्धांत
2. विद्यालय पाठ्यचर्या में जीव विज्ञान का स्थान, इसका अन्य विद्यालयी विषयों से सहसंबध, जीव विज्ञान पाठ्यचर्या में नवीन प्रवृत्तियाँ एवं नवाचार, जीव विज्ञान पाठ्यपुस्तक के गुण
    - जीव विज्ञान प्रयोगशालाः इसका संगठन तथा रखरखाव, जीव विज्ञान में प्रयोगात्मक कार्य का महत्व
3. जीव विज्ञान शिक्षण विधियाः प्रक्रिया, गुण, दोष और जीव विज्ञान शिक्षण के लिए विभिन्न विधियों की पाठ्य योजना-व्याख्यान सह प्रदर्शन, पृच्छा, प्रयोगशाला, योजना, अनुदेशन, संप्रत्यय संप्राप्ति, आगमन, निगमन, संकल्पना/ संप्रत्यय मानचित्र।
4, सरस्वती यात्रा का संगठन तथा महत्व, जलजीवशाला, वाइवेरियम तथा वानस्पतिक उद्यान की व्यवस्था तथा रखरखाव.जीवविज्ञान शिक्षण में शैक्षिक तकनीकी तथा सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी का प्रयोगः कठोर एवं कोमल उपागम का उपयोग, जीव विज्ञान में अधिगम परिणाम के मूल्यांकन की तकनीकें.

संदर्भित पुस्तकें

- ब्रेमर, जेः टीचिंग बायोलॉजी
- करियन, आर. ए. और साउण्ड, आर, बी. :टीचिंग साइंस थ्रू डिस्कवरी
- ग्रीन, टी. एल.: टीचिंग बायोलॉजी इन ट्रॉपिकल सेकेण्डरी स्कूल

- मिलर, डी. एफ और ब्लेयड्स, जी. डब्लू : मेथड्स एण्ड मटीरियल्स फॉर टीचिंग बायोलॉजिकल साइंसेज
- यूनेस्को : न्यू ट्रेंड्स इन बायोलॉजी टीचिंग
- हीस, ऑबोर्न एवं हॉफमैन : माडर्न साइंस टीचिंग
- हर्ड, पी. डी. : न्यू डाइरेक्शन्स इन टीचिंग सेकेण्डरी स्कूल साइंस
- एन. एस. एस. ई. : रिथिंकिंग इन साइंस एजुकेशन
- मिश्रा, के एस. : पर्सपेक्टिव इन साइंस एजुकेशन
- म्यूबरी, एन. एफ. : टीचिंग ऑफ केमिस्ट्री
- वैद्य, एन. : इम्पैक्ट साइंस टीचिंग
- वाश्टन : टीचिंग साइंस क्रिएटिवली

टी. ई. 668
इतिहास की शिक्षण कला

1 ऐतिहासिक दृष्टिकोण की आवश्यकता, इतिहास का अर्थ एवं महत्व
माध्यमिक स्तर पर इतिहास शिक्षण के लक्ष्य एवं उद्देश्य

2. विद्यालयी पाठ्यचर्या में इतिहास का स्थान, इतिहास का अन्य विद्यालयी विषयों से सह सम्बन्ध
माध्यमिक स्तर पर इतिहास के पाठ्यक्रम संगठन के उपागम, माध्यमिक स्तर के वर्तमान पाठ्यक्रम का आलोचनात्मक मूल्यांकन।

3. इतिहास शिक्षण की विधियाँ : उनकी प्रकृति, लाभ, सीमायें, नाटकीकरण, कहानी कथन, जीवनगाथा, पाठ्यपुस्तक, श्रोत, दत्त कार्य, योजना,

व्याख्यान एवं अभिक्रमित अनुदेशन

4. श्रव्य- दृश्य सामग्री का प्रयोग, रेडियो, टेलीविजन, कम्प्यूटर, एपिडियास्कोप (परिचित्रदर्शी) ओवर हेड प्रोजेक्टर (प्रक्षेपक) स्लाइड प्रक्षेपक, आई. सी. टी एवं इतिहास शिक्षण

इतिहास में अधिगम परिणाम का आंकलन, यूनिट (इकाई) पाठ योजना, पाठ योजना, इतिहास शिक्षक के गुण एवं क्षमतायें

संदर्भ पुस्तकः-

- अग्रवाल जे. सी. टीचिंग ऑफ हिस्टी
- बालार्ड एमः –न्यू मूवमेन्टस इन स्टडी ऑफ टिचिंग ऑफ हिस्ट्री
- घाटे वी डीः इतिहास शिक्षण
- जॉनसन एचः टीचिंग ऑफ हिस्ट्री
- कोचर एस केः टीचिंग ऑफ हिस्ट्री
- त्यागी जी. एस. डीः इतिहास शिक्षण

पाठ्यक्रम संकेत (टी ई 669)

'भूगोल की शिक्षण कला'

1. भूगोल का अर्थ, प्रकृति और क्षेत्र-

विद्यालयीय पाठ्यचर्या में भूगोल का स्थान, स्थानीय भूगोल का अध्ययन और इसकी उपयोगिता, भूगोल का अन्य विद्यालयीय विषयों से सहसम्बन्ध, माध्यमिक स्तर पर भूगोल शिक्षण के लक्ष्य और उद्देश्य।

माध्यमिक स्तर पर भूगोल का पाठ्यक्रम

2. भूगोल शिक्षण की विधि- निरीक्षण- भ्रमण, योजना, प्रयोगशाला, वर्णनात्मक, तुलनात्मक, आगमन एवं निगमन, अभिक्रमित अनुदेशन इत्यादि।

श्रव्य दृश्य सामग्री का प्रयोग- ग्लोब, मानचित्र, चार्ट, स्केच, चित्र, रेडियो,

पत्रिका, समाचार पत्र, चलचित्र–पट्टिकाएं, स्लाइड, दूरर्शन, चित्रविस्तारक यन्त्र, शिरोपरि प्रक्षेपक, संगणक (कम्प्यूटर) और भूगोल शिक्षण के लिए आई. सी. टी.।

3. भूगोल कक्ष एवं संग्रहालयः उनकी प्रकृति और संगठन, भूगोल की एक अच्छी पाठ्य पुस्तक की विशेषताएँ।
4. भूगोल के एक प्रभावी शिक्षक के गुण एवं प्रवीणताएं, पाठ योजना और इकाई योजना।

- भूगोल शिक्षण में अधिगम परिणामों का आँकलन।

सन्दर्भित पुस्तकेः-

- ब्रेनोमः टीचिंग ऑफ जियोग्राफी
- गासपिल, जी. एचः द टीचिंग ऑफ जियोग्राफी
- फिलिप ,सी : द टीचिंग ऑफ जियोग्राफी
- युनेस्कोः सोर्स बुक फॉर जियोग्राफी टीचिंग
- सिंह, एच. एन.: भूगोल शिक्षण

टी.ई. 670) अर्थशास्त्र शिक्षण कला

1. अर्थशास्त्र का अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व माध्यमिक स्तर पर अर्थशास्त्र शिक्षण के लक्ष्य एवं उद्देश्य, विद्यालय पाठ्यचर्या में अर्थशास्त्र का स्थान, अन्य विद्यालयी विषयों से सहसम्बन्ध, अर्थशास्त्र शिक्षण का पाठ्यक्रम (माध्यमिक स्तर पर), अर्थशास्त्र पाठ्यचर्या निर्माण के मानदण्ड
2. अर्थशास्त्र शिक्षण की विधियाँ – वर्णनात्मक, तर्कात्मक, समस्या समाधान, योजना, निरीक्षण, अन्वेषणात्मक एवं संश्लेषणात्मक, आगमन एवं निगमन, सामाजीकृत अभिव्यक्ति, प्रत्येक विधि के अनुसार पाठ योजना र्निमाण
3. अर्थशास्त्र कक्ष एवं अर्थशास्त्र शिक्षण में पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन।

अर्थशास्त्र की अच्छी पाठ्यपुस्तक की विशेषताएं, वर्तमान पाठ्यपुस्तक का आलोचनात्मक अध्ययन।

4. अर्थशास्त्र शिक्षण के लिए शैक्षिक तकनीकी एवं सूचना संप्रेषण तकनीकी का प्रयोग.

   अर्थशास्त्र में विभिन्न अधिगम परिणामों का आँकलन, पाठ योजना एवं इकाई पाठ योजना

संदर्भ पुस्तकें-

- बाइनिंग और बाइनिगः टीचिंग सोशल स्टडीज इन सेकेन्डरी स्कूल
- मोफात एम पीः सोशल स्टडीज इन्स्ट्रक्शन
- कीथः- न्यू डेवलपमेन्ट इन टीचिंग ऑफ इकोनॉमिक्स
- त्यागी जी.एस.डी. अर्थशास्त्र शिक्षण

टी.ई 671) राजनीति शास्त्र की शिक्षण कला

1. राजनीति विज्ञान की संकल्पना का विकास, विषय क्षेत्र, राजनीति विज्ञान का महत्व,
   - राजनीति विज्ञान का विद्यालयी पाठ्यचर्या में स्थान, इसका विभिन्न विद्यालयी विषयों से सहसम्बन्ध !
   - नागरिक शास्त्र शिक्षण के उद्देश्य, व्यवहार परिवर्तन के सन्दर्भ में उद्देश्य लेखन
   - राजनीति शास्त्र के पाठ्यचर्या, अभिकल्प के लिए सिद्धान्त एवं उपागम, राजनीति शास्त्र की आलोचनात्मक जांच, माध्यमिक स्तर पर राजनीति शास्त्र के पाठ्यचर्या की आलोचनात्मक जांच
2. राजनीति शास्त्र की शिक्षण विधियां- योजना विधि, समस्या समाधान, परिचर्चा, व्याख्यान, नाटकीयकरण अवलोकन, सरस्वती यात्राएं!

- दृश्य- श्रव्य सामग्री का प्रयोग, रेडियों, टेलीविजन, फिल्म संगणक, एपिडाइस्कोप, शिरोत्तर प्रक्षेपण, स्लाइड़ प्रोजेक्टर आदि, राजनीति शास्त्र शिक्षण के लिए सूचना संप्रेषण तकनीकि

3. अच्छे राजनीति शास्त्र शिक्षक के गुण एवं दक्षता, राजनीति शास्त्र की अच्छी पाठ्य पुस्तकों की विशेषताएं, राजनीति शास्त्र के अधिगम सम्बन्धित पाठ्य सहगामी क्रियाएं
4. राजनीति शास्त्र में अधिगम परिणामों का आँकलन, पाठ योजना एवं इकाई योजना

सन्दर्भ पुस्तकें –

- . अग्रवाल, जे. सी.- टीचिंग ऑफ पॉलिटिकल साइन्स एण्ड सिविक्स
- . अवस्थी, पी. एन- नागरिक शास्त्र शिक्षण विधि
- . बनहेला, एच. एस. तथा व्यास, एच. सी.- नागरिक शास्त्र शिक्षण
- . मित्तल, एम, एल.- नागरिक शास्त्र शिक्षण
- . त्यागी, जी. एस. डी- नागरिक शास्त्र शिक्षण

टी.ई 672) वाणिज्य की शिक्षण कला

1. वाणिज्य का अर्थ, क्षेत्र तथा महत्व

   वाणिज्य शिक्षण के लक्ष्य तथा उद्देश्य

   विद्यालयी पाठ्यचर्या में वाणिज्य का स्थान, इसका अन्य विद्यालयी विषयों के साथ सहसम्बन्ध, वाणिज्य की पाठ्यक्रम, छात्रों का चयन।
2. वाणिज्य शिक्षण की विधियां, वाणिज्य पाठ्यक्रम के विभिन्न भागों में प्रभावशाली निर्देशन के लिए उपकरण एवं सामग्रियाँ, पाठ्यक्रम के विभिन्न भागों से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य।
3. कार्यालय तथा फैक्ट्रियों में सरस्वती यात्राओं (एक्सकरशन) के आयोजन की आवश्यकता एवं विधियाँ, वाणिज्य शिक्षण के लिए श्रव्य दृश्य सामग्री चार्ट,

फिल्म स्ट्रिप्स, वीडियो कैसेट्स, टेप्स, चित्र विस्तारक यंत्र, शिरोत्तर प्रेक्षक यंत्र, दूरदर्शन, सी.सी.टी.वी., इण्टरनेट तथा आई.सी.टी. आदि।

4. वाणिज्य में विभिन्न अधिगम परिणामों का आँकलन, पाठ योजना तथा इकाई योजना, अच्छे वाणिज्य अध्यापक के गुण एवं क्षमताएँ।

सन्दर्भ पुस्तकें –

- जैन, के.सी.एस. – वाणिज्य-शिक्षण
- राय, बी.सी. – वाणिज्य का शिक्षण
- शुक्ला आर. – अर्थशास्त्र और वाणिज्य शास्त्र का शिक्षण
- वर्मा, आर.पी.एस. तथा सिंह, ई.पी. – वाणिज्य का अध्यापन।

प्रायोगिक कार्य –

- प्रत्येक दो चयनित विषय में पाँच श्रव्य दृश्य सामग्रियों की तैयारी/निर्माण
- प्रत्येक दो चयनित विषय में सत्रीय परीक्षण।

कोर्स कोड - टी.ई 632

स्कूल इन्टर्नशिप-1 (विद्यालयी गतिविधियों /क्रियाकलापों का प्रबन्धन)

अपने प्रशिक्षक के निरीक्षण में छात्राध्यापक वास्तविक कक्षागत परिस्थितियों में निम्नलिखित क्रियाएँ करेंगे –

- पंजीकृत पुस्तिका तथा रिकाड्र्स का रख रखाव
- प्रार्थना सभा
- विद्यालय के समय सारणी की तैयारी
- प्रश्नोत्तरी / वाद विवाद कार्यक्रम / शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक

का आयोजन एवं संगठन
- स्थानीय भ्रमण की योजना तथा संगठन

कोर्स कोड - टी.ई 633

स्कूल इन्टर्नशिप-1 (अधिगमकर्ता का आँकलन)

अपने प्रशिक्षक के निरीक्षण में छात्राध्यापक वास्तविक कक्षागत परिस्थितियों में निम्नलिखित क्रियाएँ करेंगे –

- कक्षा में समाजमिति परीक्षण का संचालन
- छात्रों पर बुद्धि परीक्षण / व्यक्तित्व परीक्षण / अभिक्षमता परीक्षण का प्रशासन
- परिणाम का विश्लेषण
- संचयी अभिलेख को तैयार करना

सेमेस्टर III

पाठ्यक्रम संकेत टी.ई 605 (4 क्रेडिट्स)

अधिगम का मूल्यांकन

इकाई 1. मूल्यांकनः

मापन तथा मूल्यांकन का संप्रत्यय, मूल्यांकन के प्रकार, संरचनात्मक तथा योगात्मक मूल्यांकन, माध्यमिक स्तर पर वर्तमान परीक्षा प्रणाली, इसके गुण एवं दोष, परीक्षा प्रणाली में सुधार, अच्छे मापन उपकरणों की विशेषताएं – वस्तुनिष्ठता, उपयोगिता, विश्वसनीयता, वैधता तथा मानक

इकाई 2. उपलब्धि परीक्षण का मापनः

मूल्यांकन की प्रक्रिया, अच्छे सम्प्राप्ति परीक्षण की विशेषताएं, सम्प्राप्ति परीक्षण के प्रकार, निकष सन्दर्भित एवं मानक, सन्दर्भित परीक्षण, अध्यापक निर्मित एवं मानकीकृत परीक्षण, प्रश्नों के प्रकार–वस्तुनिष्ठ, निबन्धात्मक तथा लघु उत्तरीय प्रश्न, सम्प्राप्ति परीक्षण का निर्माण!

इकाई 3. बुद्धि, सृजनात्मकता, अभिक्षमता, अभिरुचि तथा व्यक्तित्व के मापन के उपकरण, मूल्यांकन की अपरीक्षण (गैर परीक्षण) तकनीकें- अवलोकन, निर्धारण मापनी, साक्षात्कार समाजमिति, प्रक्षेपी विधियां

इकाई 4. सांख्यिकी-

सांख्यिकी का अर्थ

आंकडों का ग्राफीय निरूपण- आयताकृति, आवृत्ति बहुभुज, दण्डाकृति, पाई ग्राफ अथवा वृत्तीय चित्र तथा तोरण

केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें- मध्यमान, मध्यांक, तथा बहुलक, इनकी संगणना एवं उपयोगिता।

विचलनशीलता की मापें : मानक विचलन की संगठन स्थिति सूचक मानः प्रतिशतांक

सहसम्बन्धः सहसम्बन्ध का अर्थ, प्रकृति, श्रेणी, क्रम, सहसम्बन्ध, गुणांक की संगणना, सामान्य प्रायिकता वक्र की विशेषताएं एवं उपयोगिता (T) टी, (Z) जेड तथा- नवमानकों की गणना

ग्रेडिंग प्रणाली

आन्तरिक आंकलन-

- T2 किसी एक विषय में वस्तुनिष्ठ प्रकार के सम्प्राप्ति परीक्षणों का निर्माण एवं प्रशासन तथा परिणामों की व्याख्या
- T1 एवं T3 परीक्षण

सन्दर्भ- पुस्तकेः

- ब्लूम, बी. एस. हैस्टिंग्स, जे. टी. एण्ड मेडॉस, जी. एफ. : हैण्डबुक ऑन फॉरमेटिव एण्ड समेटिव इवैल्यूएशन ऑफ स्टूडेंट्स लर्निंग
- गैरेट, एच. एफ. स्टैटिक्स इन साइकोलॉजी एण्ड एजुकेशन
- ग्रानलंड, एन. ई. मेजरमेन्ट एण्ड इवैल्युएशन
- गुप्ता, एस. पी. शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन
- रस्तोगी, के. जी. शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन
- साक्स, जीः प्रिंसिपल्स ऑफ एजुकेशनल, मेजरमेन्ट एण्ड इवैल्यूएशन
- शर्मा, आर. ए. पाठ्यक्रम शिक्षण कला तथा मूल्यांकन
- थार्नडाइक, पी. एवं हेगेन, ईः मेजेरमेंट एण्ड इवैल्युएशन इन साइकोलॉजी एण्ड एजुकेशन

पाठ्यक्रम संकेत टीई -606

(4 क्रेडिट्स)

शैक्षिक तकनीकी तथा आई. सी. टी.

इकाई 1. शैक्षिक तकनीकी की उत्पत्ति, अर्थ, प्रकृति, विषय क्षेत्र, आवश्यकता और इसके प्रकार

अभिक्रमित अधिगम, अभिक्रमित अनुदेशन सामग्री तैयार करने के पद,

शिक्षण मशीन, भाषा प्रयोगशाला

इकाई 2. जनसंचार माध्यमः

रेडियो, टेलीविजन, चलचित्र के उपयोग, लाभ और सीमाएं, शिक्षा में जनसंचार माध्यमों की वर्तमान स्थिति, जनसंचार माध्यमों के उपयोग में शिक्षक की भूमिका, अनुदेशन के लिए इन माध्यमों का चुनाव किस प्रकार किया जाए

मुक्त शैक्षिक संसाधनः विभिन्न स्त्रोत

इकाई 3. सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी एवं तकनीकी के रूप में जनसंचार माध्यम- शिक्षण–अधिगम में उन्नत संप्रेषण की युक्तियाँ, अंर्तक्रियात्मक सफेद श्यामपट्ट, अधिगम संसाधन के रूप में कम्प्यूटर, सूचना संसाधन के रूप में इन्टरनेट, अभिकल्प और विकास तकनीकी- उन्नत शिक्षण सामग्री, तकनीकी समृद्ध अधिगम में शिक्षक की परिवर्तित भूमिकाएं और दक्षताएँ, संगणक आधारित अनुदेशन

इकाई 4. विभिन्न कठोर उपागम के कार्यप्रणाली संबधित ज्ञान –

ओवर हेड प्रोजेक्टर, एल. सी. डी., कम्प्यूटर, सी. सी. टी. वी.

आनलाइन अधिगम और नेटवर्किंग, ई-मेल, टेली-कान्फ्रेन्सिंग

सी. आई. ई टी- यू. जी. सी. तथा इग्नू के शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम तथा कोमल उपागम के निर्माण में भूमिका

आन्तरिक आंकलन-

T2 टी.वी. सी.डी., विडियोकैसेट, रेडियो के द्वारा प्रस्तुत शैक्षिक कार्यक्रमों की आलोचनात्मक समीक्षा और कम्प्यूटर आधारित सामग्री/ स्लाइडस। पावर प्वाइंट्स का विकास

T1 एवं T3 परीक्षण

संदर्भित ग्रन्थ-

- डेवीज, आई. केः द मैनेजमेन्ट ऑफ लर्निंग
- डीसिको एण्ड क्राफोर्डः द साइकोलाजी ऑफ लर्निंग एण्ड इन्सट्रक्शन
- मेरिटः एजुकेशनल टेक्नोलॉजी
- स्मिथ एण्ड मूरेः प्रोग्राम लर्निंग
- टेबर एण्ड ग्लेसरः लर्निंग एण्ड प्रोग्राम्ड इंस्ट्रक्शन
- शर्मा, आर. ए. : शिक्षा तकनीकी

पाठ्यक्रम संकेत टी.ई. 634

(4 क्रेडिट्स)

स्कूल इन्टर्नशिप-11 –विषय-1

1. शिक्षक प्रशिक्षक के निरीक्षण में कक्षागत परिस्थितियों में चयनित विषय 1- में 20 पाठ योजना का शिक्षण

आन्तरिक आंकलन-

T2 विषय 1 में एक आलोचनात्मक पाठ योजना का शिक्षण, जो दो आन्तरिक शिक्षक प्रशिक्षक के बोर्ड द्वारा मूल्यांकित किया जाएगा।

T1 एवं T3 विद्यालयी विषय में किन्ही दो सूक्ष्म पाठ योजना का मूल्यांकन

पाठ्यक्रम संकेत टीई 635 (4 क्रेडिट्स)

स्कूल इन्टर्नशिप -11 विषय-11

1. शिक्षक प्रशिक्षक के नियन्त्रण में कक्षागत परिस्थितियों में चयनित 2 विषय में 20-20 पाठ योजना का शिक्षण

आन्तरिक मूल्यांकन

T2 : 2 विषय में एक-एक आलोचनात्मक पाठ योजना का शिक्षण, जो दो आन्तरिक शिक्षक प्रशिक्षक के बोर्ड द्वारा मूल्यांकित किया जाएगा।

T1 एवं T3 : विद्यालयी विषय में किन्ही दो सूक्ष्म पाठ योजना का मूल्यांकन

पाठ्यक्रम संकेत टी ई – 636

(4 क्रेडिट्स)

स्कूल इन्टर्नशिप-II)

(सामुदायिक कार्य)

- रैली अथवा अभियान का आयोजन (किसी सामाजिक मुद्दे जैसे पोलियो। एच. आई. वी., मतदान अधिकार, लैंगिक संवेदनशीलता आदि
- बागवानी
- कैम्पस की सफाई एवं साज-सज्जा
- फर्नीचर की साफ –सफाई
- प्रार्थना सभा
- सामुदायिक खेल
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- एस. यू. पी.डब्ल्यू.
- स्काउट और गाइड
- राष्ट्रीय त्यौहारों, शिक्षक दिवस आदि का आयोजन
- प्राथमिक चिकित्सा
- सौंदर्यात्मक विकास संबंधी गतिविधियाँ- कक्षा- कक्ष की सजावट आदि

पाठ्यक्रम संकेत टीई- 607 (4 क्रेडिट्स)

अधिगम का मनोविज्ञान

1. अधिगमः प्रकृति, अधिगम के सिद्धांत, प्रयास एवं त्रुटि, शास्त्रीय एवं सक्रिय अनुबंधन

सूझ अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक-

कार्य से संबधित कारक, शिक्षार्थी शिक्षक, माता-पिता,विद्यालयी सुविधाएं और परिस्थितियाँ, अधिगम का स्थानान्तरण –संप्रत्यय, सिद्धांत, और इसको प्रभावित करने वाले कारक.

इकाई-2 अभिप्रेरणा, स्मृति और सृजनात्मकताः अभिप्रेरणा की प्रकृति, अधिगम में अभिप्रेरणा की भूमिका, शिक्षार्थी को अभिप्रेरित करने के लिए संव्यूहन.

स्मृति का अर्थ और प्रकृति, विस्मरण के कारण सृजनात्मकता की प्रकृति, बुद्धि और सृजनात्मकता में अंतर, सृजनात्मकता को बढाने के शिक्षण संव्यूहन

इकाई-3 निर्देशन एवं परामर्शः अर्थ, निर्देशन के प्रकार- शैक्षिक, व्यावसायिक, और व्यक्तिगत, निर्देशन की आवश्यकता, परामर्श के प्रकार-निदेशात्मक और अनिदेशात्मक माध्यमिक विद्यालय के लिए न्यूनतम निर्देशन कार्यक्रम

इकाई-4 समूह गतिशीलताः अर्थ, कक्षा एक समूह के रूप में, सामाजिक अर्न्तक्रिया, नेतृत्व- नेतृत्व के गुणों को विकसित करने की शैलियाँ और संव्यूहन

आन्तरिक आंकलन-

T2 कक्षा –कक्ष गतिविधियों में छात्र की संलग्नता का अध्ययन

या

सामूहिक परिस्थितियों में सामाजिक अंतःक्रिया का अध्ययन

या

किसी छात्र की सृजनात्मकता का मापन

T1 एवं T3 : परीक्षण

संदर्भित ग्रन्थः

- बिगे, एम. एल. और हंट, एम. पी. : साइकोलॉजिकल फाउन्डेशन ऑफ एजुकेशन
- चौहान, एस. एस.: प्रिन्सिपल्स एण्ड टेक्निक्स ऑफ गाइडेन्स
- छिब्बर, एस. के.: गाइडेन्स एण्ड एजुकेशन काउन्सलिंग
- डिसीको, जे. पी. एण्ड क्राफोर्ड, डब्ल्यू : साइकोलाजी ऑफ लर्निंग एण्ड इन्सट्रक्शन
- गैरी, के एण्ड किंग्सले, एच. एल. : नेचर एण्ड कंडीशन्स ऑफ लर्निंग
- गिब्सन, आर. एल : इन्ट्रोडक्शन टू गाइडेन्स एण्ड काउन्सलिंग
- हिलगार्ड, इ. आर. एण्ड बॉवर, जी.: थ्योरीज़ ऑफ लर्निंग
- मिश्रा, के. एस. : शिक्षा मनोविज्ञान के नये क्षितिज

पाठ्यक्रम संकेत टी ई- 608 (4 क्रेडिट्स)

समसामयिक भारतीय समाज में शिक्षा

इकाई-1 शिक्षा का सम्प्रत्यय : शिक्षा का अर्थ, शिक्षा के प्रकार, औपचारिक, अनौपचारिक तथा नि-रौपचारिक शिक्षा, शिक्षा के अभिकरण

शिक्षा के उद्देश्य : सम सामयिक भारतीय समाज के सन्दर्भ में शिक्षा के विभिन्न उद्देश्य- ज्ञानार्जन, प्रजातान्त्रिक समाजवाद, भावात्मक तथा राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता, बाल अधिकार तथा मानव अधिकारों के प्रति जागरुकता, राष्ट्रीय मूल्यों का विकास, नागरिकता के लिए

अन्तर्राष्ट्रीय अवबोध तथा वैश्वीकरण

इकाई-2 भारतीय शिक्षा के ऐतिहासिक आधार : वैदिक, बौद्ध, मध्यकाल तथा ब्रिटिशकाल में शिक्षा

इकाई-3 समकालीन भारतीय समाज : इसकी प्रकृति, समाज पर दबाव (प्रभाव) डालने वाले आन्तरिक तथा बाह्य कारक, शिक्षा के संवैधानिक प्रावधान (एस.टी.एस.सी., ओ.बी.सी., बालिका के लिए), शिक्षा का अधिकार, मूल्य संकट, शान्ति के लिए शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण के लिए शिक्षा, वर्तमान विद्यालय प्रणाली की आलोचनात्मक समीक्षा, सरकारी/निजी विभाजन (द पब्लिक प्राइवेट डिवाइड), एक स्तरीकृत सरकारी विद्यालय प्रणाली- शिक्षा गारण्टी योजना, वैकल्पिक विद्यालय, निरौपचारिक शिक्षा, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय तथा प्रतिभा विकास विद्यालय, के.जी.बी.वी., सामान्य विद्यालयी प्रणाली का दृष्टिकोण (विज़न)

इकाई-4 स्वतन्त्रोत्तर काल में माध्यमिक शिक्षा का विकास : वर्तमान स्थिति, मुदालियर तथा कोठारी आयोग की मुख्य संस्तुतियाँ, शिक्षा की राष्ट्रीय नीति (1986), आचार्य राममूर्ति एवं जनार्दन रेड्डी समिति

माध्यमिक शिक्षा की समस्याएँ : व्यवसायीकरण की समस्या, राष्ट्रीय-करण, शैक्षिक अवसरों की समानता, पाठ्यक्रम का वैभिन्नीकरण, दूरस्थ शिक्षा, समावेशी शिक्षा

आन्तरिक आँकलन-

T2 : बालिका, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की समस्या की पहचान, बच्चों का शोषण

अथवा

माध्यमिक शिक्षा की किसी एक समस्या का अध्ययन

T1 एवं T3 : परीक्षण

संदर्भित पुस्तकें-

- अग्निहोत्री, आर. आधुनिक भारतीय शिक्षाः समस्या और समाधान
- अल्तेकर, ए. एस.: एंशिएंट इण्डियन एजुकेशन
- नदीम, एम. : गरीब बच्चों की शिक्षा
- नरसिम्हा, आर. के.: हयूमन राइट्स एण्ड सोशल जस्टिस
- पाण्डेय, आर. एस.: शिक्षा के मूल्य सिद्धान्त
- पाण्डेय, आर. एस.: न्यू डाइमेन्शन्स इन एजुकेशन
- पाण्डेय, आर. एस.: डेवलपमेन्ट स्ट्रैटिजीस इन मॉडर्न इण्डियन एजुकेशन
- पाण्डेय, आर. एस.: एजुकेशनः यसटरडे एण्ड टुडे
- पाण्डेय, आर. एस.: एजुकेशनल कन्ट्रोवर्सीज
- पाण्डेय,आर. एस.: एजुकेशन इन इमरजिंग इण्डियन सोसाइटी
- परमार, एल. : हयूमन राइट्स
- शुक्ला, एस. सीः आधुनिक भारतीय शिक्षा
- सुब्रमणियम, एसः हयूमन राइट्स ट्रेनिंग
- उपाध्याय, पी. : इमर्जिंग ट्रैंड्स इन इण्डियन एजुकेशन
- उपाध्याय, पी. : पीस एजुकेशनः यूटापिया अथवा रियाल्टी

पाठ्यक्रम संकेतकः टी.ई. 609 (4 क्रेडिट)

विद्यालय प्रबंधन

इकाई 1. विद्यालय प्रबंधन और पर्यवेक्षणः

संप्रत्यय और विद्यालय प्रबंधन के कार्य, विद्यालय पर्यवेक्षण का संप्रत्यय और उसकी तकनीकें.

संस्थागत नियोजन और वित्त; संप्रत्यय और संस्थागत नियोजन की प्रक्रिया, विद्यालय अभिलेख,विद्यालय वित्त- आय के स्त्रोत और व्यय के मद

इकाई 2 विद्यालय योजनाः

विद्यालय भवन- इसका स्थान, प्रकार और निर्माण, कक्षा में प्रकाश तथा वायु की व्यवस्था, फर्नीचर तथा उसका आसन पर प्रभाव

इकाई 3. विद्यालय कर्मीः

प्रधानाचार्य तथा शिक्षक के गुण तथा भूमिका, प्रधानाचार्यों तथा शिक्षकों की भर्ती के लिए प्रक्रिया, शिक्षकों के लिए व्यावसायिक आचार संहिता, विद्यालय स्वास्थ्य सेवाओं के संदर्भ में शिक्षकों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, छात्रों के सामान्य रोग, सामान्य शारीरिक दोष, विद्यालय में स्वस्थ शारीरिक जीवन, पोषण, विद्यालय भोजन, मनोरंजन तथा सुरक्षा शिक्षा की परिस्थितियाँ/दशाएँ

इकाई- 4 विद्यालयी क्रियाओं का संगठनः

समय–सारिणी- आवश्यकता, प्रकार और इसके निर्माण के सिद्धांत, पाठ्यसहगामी क्रियाएं - महत्व, प्रकार, और संगठन।

आन्तरिक आंकलन-

- T2 : किसी एक विद्यालय में छात्रों के बीच सामान्य रोग की पहचान

अथवा

- किसी एक विद्यालय के विद्यालय योजना की एक रिपोर्ट तैयार करना
- T1 एवं T3 : परीक्षण

संदर्भित पुस्तकें

- भटनागर ,आर. पी. और अग्रवाल, वीः शैक्षिक प्रशासन
- एवरार्ड, के. बी. और मॉरिस, जी. : इफेक्टिव स्कूल मैनेजमेन्ट
- गैंड, डी. एन. और शर्मा, आर . पी. : माध्यमिक शिक्षालय व्यवस्था
- कोचर, एस. ए. : सेकेण्डरी स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन
- माथुर, एस. एस. : स्कूल प्रबंधन तथा संगठन
- मुखर्जी, एस. एन. : सेकेण्डरी स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन
- पंडा, यू, एन. – स्कूल मैनेजमेन्ट
- शर्मा, आर. सी.- स्कूल मैनेजमेन्ट
- सुखिया, एस. पी. : विद्यालय प्रशासन एवं संगठन
- तारा चंद और रवि प्रकाशः एडवान्स्ड एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन

कोर्स कोड- टी. ई. 610 (4 क्रेडिट)

क्रियात्मक अनुसंधान

इकाई 1. क्रियात्मक अनुसंधान का संप्रत्ययः क्रियात्मक अनुसंधान का अर्थ, मूलभूत अनुसंधान से अन्तर।

इकाई 2. क्रियात्मक अनुसंधान की समस्याः क्रियात्मक अनुसंधान की आवश्यकता, क्रियात्मक अनुसंधान के लिए समस्या की पहचान और मूल्यांकन।

इकाई 3. परिकल्पनाः क्रियात्मक अनुसंधान परिकल्पनाः प्रकृति, आवश्यकता और निर्माण।

इकाई 4. अनुसंधान अभिकल्पः
क्रियात्मक अनुसंधान क्रियान्वित करने के लिए अनुसंधान अभिकल्प की आवश्यकता और प्रकार।
क्रियात्मक अनुसंधान के उपकरणः अवलोकन, साक्षात्कार, चेकलिस्ट, प्रश्नावली ।
आँकड़ों का विश्लेषण–वर्णनात्मक सांख्यिकी व टी परीक्षण।
प्रतिवेदन लेखनः एक अच्छे शोध प्रतिवेदन की विशेषताएँ।

आंतरिक आंकलन-

- T2 : क्रियात्मक शोध प्रस्ताव तैयार करना, कक्षा कक्ष की वास्तविक परिस्थितियों में क्रियात्मक अनुसंधान परियोजना का क्रियान्वयन और प्रतिवेदन जमा करना।
- T_1 एवं T3 : परीक्षण ।

संदर्भ पुस्तकें

- ग्रीन वुड, डी. जे. व लेविन, एम. : इन्ट्रोडक्शन टू एक्शन रिसर्च
- बेस्ट, जे. डब्ल्यू व कॉन, जे वी. : रिसर्च इन एजुकेशन
- स्ट्रिंगर, ई. टी. एक्शन रिसर्च
- हेडरिक, टी. ई., बिकमैन, एल. व रॉग, डी. जेः एप्लाइड रिसर्च डिजाईन।

पाठ्यक्रम संकेत टी.ई. 637

(4 क्रेडिट)

लैंग्वेज एक्रॉस द करीकूलम (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में भाषा)

इकाई-1 पठन बोध (व्यक्तिगत तथा समूह पठन और विचार-विमर्श/व्याख्या)

विभिन्न दृष्टिकोण से किसी लेखा/ वृत्त को अपने शब्दों में कहना

इकाई- 2 समाचार पत्र अथवा मैग्ज़ीन के लेख का पठन

सन्दर्भ (टेक्स्ट) पर आधारित लेखन/ प्रस्तुतिकरण

उदाहरणार्थ एक दृश्य का सार, कहानी का बाह्य गणन, किसी भी परिस्थिति को संवाद में परिवर्तित करना (व्यक्तिगत कार्य)

इकाई -3 तकनीकी प्रस्तुतिकरण, अर्थ, महत्व तथा प्रस्तुतिकरण का उपयोग

श्रव्य दृश्य प्रस्तुतिकरण, पावर प्वाइन्ट प्रस्तुतिकरण, अच्छे मौखिक उच्चारण हेतु सुझाव

इकाई-4 तकनीकी सम्प्रेषण के रूप, विभिन्न प्रकार के पत्र, नौकरी/व्यवसाय हेतु प्रार्थनापत्र तथा संक्षिप्त विवरण, प्रतिवेदन : प्रकार, महत्व, संरचना, शैली तथा प्रतिवेदन लेखन

❑❑❑